

उन बच्चा का सहा आर यथाथानदान करना काठन हाता ह, जिन्ह क्षय राग (टा बा) स त्रस्त हान का अनुमान लगाया जाता है। बच्चा म क्षय राग का अजावाप्यक प्रकृत के कारण, चूँक सरल तथा विश्वसनाय एक पराक्षण का आवश्यकता होती है, नदान क लिए तकनाका तथा प्रचालनात्मक चुनातया का सामना करना पड़ता ह। ट्यूबरकुलिन पराक्षा तथा छाता क्ष-करणाका व्याख्या म जाटलताए ह। अस्पष्ट तथा आनाश्वत लक्षणा युक्त बच्चा म ताम्र सदह का श्रणा आवश्यक ह जा इस अक म लखक द्वारा उल्लाखत वाभन्न प्राचला पर आधारत ह। सम्प्रात, ट्यूबरकुलिन के उपयाग का अत्याधिक प्रयुक्त विधा ह, मटाक्स पराक्षण विधा। उसका गहरा जानकारी क अलावा, ट्यूबरकुलिन त्वचापराक्षण एव उसका समुचित व्याख्या कामहत्व, उसके क्षेत्र अनुप्रयाग म व्यापक अनुभव रखनवाल लखका न उत्तम ढग स उल्लेख किया ह।

चाकत्सा महाविद्यालय क शिक्षका का, सशाधत राष्ट्रीय क्षय राग नियंत्रण कार्यक्रम (आरएनटासापा) के क्रियान्वयन म, 1993 से उसका शुरुआत के समय से यथा प्रत्याशत, महत्वपूर्ण भूमिका है। रागया म विपरात पारणामा के बारे म उपयागा जानकारी जा हमशा औषध विफलता क कारण नहा है, एसएमएस माइकल कालज, जयपुर क वारष्ठ संकाय सदस्या द्वारा उपलब्ध कराई गयी है। ऐसी इक्कास मामला रिपाटा का जानकारी उनक लेखका द्वारा विस्तृत रूप स उल्लाखत ह। चिंता का एक आर महत्वपूर्ण क्षेत्र नदान म विलम्ब तथा उसक पारणाम, वाभन्न जाटलताआ म पारणत हो सकता है। इसम अधिक व्यापक राग, उच्चतरमतेता, सक्रमण का बढा हुई अवधि, समुदाय म औषधि प्राताराध का वाधत दरआद समाहत हो सकत ह, जैसे चाकत्सा महाविद्यालय क वारष्ठ संकाय द्वारा इस पात्रका के एक समाक्षा लेख म उल्लाखत ह। अन्य चाकत्सा महाविद्यालय क संकाय का मा हम अपन विचारा/सुविज्ञता का बाटन क लिए आमात्रत करत ह जा इस पात्रका क माध्यम स हमार पाठका तक प्रसारत हो सकत ह। एस प्रयास क्षय राग क प्रात हमार सयुक्त सघष तथा दश स इस सकट क निवारण का हमारा सकल्पना का आर आधक सुदृढ करण।

क्षय राग क नदान क लिए प्रयागशाला सवाय आधारभूत तत्व ह। प्रयागशाला प्राक्रया म गंभीर कामया क कारण घाटया गुणता पाई जा सकती है, जिसक फलस्वरूप राग का अवानदान तथा आतानदान दाना हो सकत ह। इसस रागया का अनावश्यक प्रात क्षय राग चाकत्सा क अधान करन क अलावा सबद्ध दाग का भी सवाल है। एन टा आइ द्वारा सचालत राग प्रचलन संवक्षण म अनुपालत मानक प्रचालन प्र जावाणु विज्ञाना द्वारा इस पात्रका म किया गया ह जा क्षय राग क समुचित नदान म अन्य प्रयागशाला कामका क लिए उपयागा हागा।

क्रियाकलापा म विशेष वृद्धि दाख गया ह।

क्रियाकलापा क दारान गहन अन्यान्याक्रया क द्वारा क्रियाकलापा म
एस क्रियाकलापा क दारान गहन अन्यान्याक्रया क द्वारा
वाभन्न प्राशक्षण कार्यक्रम म पूर भारत तथा विदेशा स प्रातमागया का कम्पसम हो उन्नत छात्रावास
दाघावाध म इस क्षेत्र म क्षय राग क बाझ का घटान
इस पात्रका म अन्य पात्रकाआस आकालत क्षय राग सम्बन्धा
का का अन्य वाशष्टताआ म शामिल ह / /
म सचालत वाभन्न आभावन्यास प्राशक्षणा
क बाहर सचालत अन्य सबद्ध क्रियाकलापा म प्रातमागता।

का एक शलक आउट भट करत प्राताष्ठत व्याक्तया क साथ अमूल्य अन्यान्याक्रया भा

अनुभवा एव ज्ञान क प्रसारण

विरुद्ध

Editorial

It is often difficult to arrive at a prompt and accurate diagnosis in children suspected to be suffering from tuberculosis (TB). Due to abacillary nature of TB in children, diagnosis poses technical and operational challenge as there is need for a simple and reliable single test. There are complexities in the interpretation of tuberculin test and chest X-rays. Children with vague and non-specific symptoms, the high index of suspicion is a pre-requisite which can be based on various parameters described by the author in this issue. Currently, the most used mode of administration of tuberculin is the Mantoux test method. Importance of tuberculin skin test and its appropriate interpretation besides its in-depth understanding has been well briefed by the authors who have a vast experience in its field application.

Medical college teachers have a crucial role to play in the implementation of Revised National Tuberculosis Control Programme (RNTCP), as envisaged from the time of its launch in 1993. Useful information about adverse outcome in patients that is not always due to drug failure has been provided by the senior faculty members from SMS Medical College, Jaipur. Appraisal from twenty one such case reports has been well elaborated by its authors. Another important area of concern, the delay in diagnosis and its consequences, could result in various complications. This may include more extensive disease, higher mortality, extended period of infectivity, increased rate of drug resistance in the community etc., as described in a review article of this bulletin by a Senior faculty from a medical college. We welcome faculty from other medical colleges too to share their views/expertise which can be disseminated to our readers through this bulletin. Such efforts can further strengthen our resolve in our joint fight against TB and eliminate this menace from the country.

Laboratory services continue to remain the fundamental aspect for TB diagnosis. Serious deficiencies in the laboratory practice may result in poor quality leading to both under and over diagnosis of the disease. This may expose patients to needless anti-tuberculosis treatment besides its associated stigma. Standard operating procedures that were followed in a disease prevalence survey conducted by NTI have been well described in this bulletin by the associated Bacteriologist which can be useful for other laboratory personnel in proper diagnosis of tuberculosis.

There has been a marked increase in our training activities at NTI which is in addition to regular RNTCP Modular Training. Participants with in-campus improvised hostel facility from all over India and abroad are being trained in various training programmes at NTI through intense interaction during such activities. This could prove beneficial in long run to reduce the burden of TB in this region. This bulletin also provides the abstracts of TB related articles compiled from other Journals. Other features of this Bulletin cover various orientation trainings conducted at NTI for the medical / paramedical / undergraduates besides participation of faculty in other related activities conducted outside NTI. A glimpse of NTI through News & Views column of this bulletin and valuable interaction with the visiting dignitaries are also included in this edition. We wish our readers useful reading and hope their feedback will further enhance dissemination of knowledge besides building and strengthening our partnership in the fight against tuberculosis.

Editor